कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
एम.ए. (समाजशास्त्र) प्रस्तावित पाठ्यक्रम योजना 2021–22
सेमेस्टर प्रणाली
पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

क्र.	विषय	सैद्धांतिक अंक		योग
	तृतीय सेमेस्टर	आंतरिक	बाह्य	कुल
1.	समाजशास्त्र का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष – अनिवार्य	40	60	100
2	नातेदारी, विवाह और परिवार का समाजशास्त्र – अनिवार्य	40	60	100
3	भारतीय समाज एवं संस्कृति – अनिवार्य	40	60	100
4	अपराधशास्त्र – अनिवार्य	40	60	100
	कुल योग –	160	240	400
	चतुर्थ सेमेस्टर			
1.	परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र – अनिवार्य	40	60	100
2	राजनीतिक समाजशास्त्र – अनिवार्य	40	60	100
3	समाजशास्त्रीय निबन्ध – अनिवार्य	40	60	100
4	औद्योगिक समाजशास्त्र वैकल्पिक – (A) अथवा – सामाजिक जनांकिकी वैकल्पिक – (B)	40	60	100
	कुल योग –	160	240	400

परीक्षा प्रभारी

KASTURBA RAM LILAL INSTITUTE
Autonomous Institute
Kasturba Gandhi National
Memorial Trust, K Gram
KASTURBAGRAM, INDORE (M.P.)

प्राचार्य
क.ग्रा.रू.इ.
प्रभारी प्राचार्य
कस्तूरबा ग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2021–22

कक्षा	–	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय	–	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	–	समाजशास्त्र का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य
प्रश्न पत्र	–	I (अनिवार्य प्रश्न पत्र)

सैद्धांतिक अंक – 100
बाह्य अंक – 60
आंतरिक अंक – 40

उद्देश्य : –

1. छात्राओं को समाजशास्त्रीय परम्पराओं की जानकारी देना।
2. छात्राओं को समाजशास्त्रीय परम्पराओं से परिचित कराना।

इकाई प्रथम – समाजशास्त्रीय सिद्धांत की निर्माण प्रक्रिया एवं प्रकृति –

1. समाजशास्त्रीय सिद्धांत का अर्थ एवं प्रकृति।
2. समाजशास्त्रीय सिद्धांत की निर्माण प्रकिया।
3. सैद्धांतीकरण के स्तर।

इकाई द्वितीय – सामाजिक संरचना एवं सामाजिक विसंगति –

1. सामाजिक संरचना का विचार – रेडक्लिपब्रासन एवं एस.एफ. नेडेल
2. सामाजिक विसंगति – इमाईल दुर्खीम एवं आर.के. मॅर्टन
3. नव संरचनावाद – एम.फोकाल्ट एवं जे.अलेक्जेण्डर

इकाई तृतीय – प्रकार्यवाद के सिद्धांत –

1. प्रकार्यवाद (पूर्व सिद्धांत) इमाईल दुर्खीम एवं मॅलिनोवस्की
2. सामाजिक प्रणाली का प्रकार्यात्मक आयाम – टॉलकाट पारसन्स
3. समाजशास्त्र में प्रकार्यात्मक सिद्धांत का प्रारूप – आर.के.मर्टन

इकाई चतुर्थ – संघर्ष का सिद्धांत –

1. कार्लमार्क्स का संघर्ष सिद्धांत
2. कोजर का संघर्ष सिद्धांत

इकाई पंचम – समाजशास्त्रीय सिद्धांत के अंतः क्रियावाद एवं आधुनिक चिंतनधारा –

1. प्रतीकात्मक अंत कियावाद (जी.एच.मीड एवं एच. ब्लूमर)
2. प्रघटन शास्त्रीय समाजशास्त्र (ए.शुल्टस एवं एडमंड हसरेल)
3. प्रजाती पद्वतिशास्त्र (एच.मारकिन्सन)

अविरत.....2

Suggested Books –

1. Parsons takeout 1937-1949 the Stricture of Social Action Voll I & II McGrew Hill. New Delhi.
2. Mukerjee R.N. – Samajik Vicharo Ka Itihas.
3. Aron Raymond, Main Currents In Sociological Thought (Volume I, II)
4. Coser, I.A. 1977, Masters of Sociological Thought, New York.

4- पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें।

5- सामाजिक विचारों का इतिहास – डी.एस.बघेल।

6- उत्तत्तर समाजशास्त्र – डी.एस.बघेल।

7- समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत – गुप्ता एवं शर्मा।

8- समाजशास्त्रीय चिंतक और सिद्धांतकार – डॉ.संजीव महाजन।

9- समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत – डॉ.महाजन।

10- समाजशास्त्र में सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य – डी.एस. बघेल।

++++++

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2021–22

कक्षा	–	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय	–	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	–	नातेदारी, विवाह एवं परिवार का समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र	–	II (अनिवार्य प्रश्न पत्र)

सैद्धांतिक अंक – 100
बाह्य अंक – 60
आंतरिक अंक – 40

उद्देश्य : –

1. छात्राओं को **नोतेदारी, विवाह एवं परिवार का समाजशास्त्र** की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को **नोतेदारी, विवाह एवं परिवार का समाजशास्त्र** से परिचित कराना।

इकाई प्रथम –

नातेदारी – परिभाषा, प्रकार, रीतियॉं, वर्गीकृत नातेदारी, नातेदारी के प्रति परिवर्तित अभीवृतित्तयॉं एवं उसके कारण।

इकाई द्वितीय –

विवाह – परिभाषा, उद्देश्य, प्रकार, जीवन साथी चुनने के तरीके, अधिमान्य विवाह, विवाह का समाजशास्त्रीय महत्व।

इकाई तृतीय –

परिवार – परिवार की सार्वभौमिक अवधारणा परिवार का प्रकार, परिवार की उत्पत्ति, परिवार के कार्य, बहुपति एवं मातृवंशीय परिवार।

इकाई चतुर्थ –

समस्याएँ – तालक, विधवा, भगनपरिवार, वृद्धों की समस्याएँ, अंतर पीढी संघर्ष ।

इकाई पंचम –

परिवार एवं विवाह में वर्तमान समय में परिवर्तन, भारतीय परिवार व्यवस्था पर वैश्वीकरण का प्रभाव, पारिवारिक समायोजन, अन्तर्जातीय विवाह।

Suggested Books –

1. Mukerjee. R.N. - An out line of Social Anthropology
2. Sharma R.N. - Anthropology
3. पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें।
4. Uberoi Patrician (ed) 1993, Family, Kinship and Marrige In India, In New Delhi. (Oxford Univ.Press)

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2021–22

कक्षा	–	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय	–	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	–	भारतीय समाज एवं संस्कृति
प्रश्न पत्र	–	III (अनिवार्य प्रश्न पत्र)

सैद्धांतिक अंक – 100
बाह्य अंक – 60
आंतरिक अंक – 40

उद्देश्य : –

1. छात्राओं को भारतीय समाज एवं संस्कृति की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को भारतीय समाज एवं संस्कृति से परिचित कराना।

इकाई प्रथम –

भारतीय समाज का एतिहांसिक परिदृश्यः– परंपरागत हिंदू सामाजिक संगठन, परंपरागत हिन्दू समाज, आधारभूत भारतीय समाज का मत और सिद्धांत, युगों से भारतीय समाज – भारतीय संस्कृति पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण, बौद्ध धर्म, इस्लाम और पश्चिम का प्रभाव।

इकाई द्वितीय –

संस्कृतिः– भारतीय समाज के तत्व जनांकिकी, धार्मिक भाषायी, क्षेत्रीय एवं सांस्कृतिक समूह जाति एवं प्रभुजाति, आधुनिक भारत में वर्ग तथा वर्ग निर्माण।

इकाई तृतीय –

संस्कृतिः– परिभाषा, लक्षण, उपादान, भारत में लघु एवं वृहद परम्पराए, पर संस्कृतिकरण एवं संस्कृतिग्रहण, संस्कृति एवं व्यक्तित्व।

इकाई चतुर्थ –

संगठन एवं संस्थाएंः– हिन्दू परिवार एवं हिन्दू विवाह, वंश एवं गौत्र, हिन्दू विवाह अधिनियम 1955, विशेष विवाह अधिनियम 1954, बाल विवाह अवरोधक अधिनियम (1929) 1978, दहेज निशेध कानून (1961) 1986

इकाई पंचम –

जनजातीय भारतः– धर्म एवं जादू, धर्म की उत्पत्ति, जनजातीय अर्थव्यवस्था, जनजातीय समस्याएं एवं संवैधानिक प्रावधान।

Suggested Books –

1. Fox, Robin, 1967 Kinship and Marriage Marriage An Anthropological perspective, Harmoknsworth, Penguin Boks Ltd.
2. Uberio, Patrica (ed) 1993 Family Kiaship and Marriage in India, New Delhi.
3. Dabe, Leela. 1974, Sociology of Kinship An Analytical Survey of Literature, Bombay.
4. पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें।
5. भारतीय समाज एवं सामाजिक संस्थाएं – गुप्ता एवं शर्मा।
6. भारतीय समाज – राम आहूजा।

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2021–22

कक्षा	–	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय	–	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	–	अपराधशास्त्र
प्रश्न पत्र	–	IV (अनिवार्य प्रश्न पत्र)

सैद्धांतिक अंक – 100
बाह्य अंक – 60
आंतरिक अंक – 40

उद्देश्य : –

1. छात्राओं को अपराध की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को अपराध एवं अपराध के सिद्धांतों से परिचित कराना।

इकाई प्रथम –

अवधारणा :– अपराधशास्त्र – अर्थ, क्षेत्र एवं विषय वस्तु, अपराध की अवधारणा, सफेदपोश अपराध, महिला विरूद्ध अपराध, अपराध एवं अपराधियों का वर्गीकरण।

इकाई द्वितीय –

सिद्धांत एवं प्रकार – अपराध के समाजशास्त्रीय सिद्धांत, अपराध के प्रारूपवाद, बाल अपराध, सायबर अपराध।

इकाई तृतीय –

दण्ड :– दण्ड का अर्थ, प्रकृति एवं उद्देश्य, दण्ड के सिद्धांत, प्रोबेशन एवं पैरोल।

इकाई चतुर्थ –

सुधारात्मक कार्यक्रम :– सुधारात्मक, व्यावसायिक, मानव अधिकार एवं जेल प्रबंधन, सुधारात्मक संस्थाएं।

इकाई पंचम –

बंदीगृह :– बंदीगृह अवधारणा, अपराध रोकने में पुलिस की भूमिका, खुली जेल, उत्तर संरक्षण एवं पुनर्वास, पीडितों की क्षतिपूर्ति।

Suggested Books –

1. पाठ्यक्रम के अनुसार मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें।
2. अपराधशास्त्र – डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल।
3. अपराधास्त्र एवं दण्ड प्रशासन – डॉ.एस.एस.श्रीवास्तव
4. अपराधशास्त्र के सिद्धांत – डॉ.श्यामधर सिंह
5. अपराधास्त्र– डॉ.धर्मवीर महाजन एवं कमलेश महाजन
6. अपराधास्त्र– डॉ.लवानिया एवं शशि जैन
7. अपराधास्त्र– डॉ.गणेश पाण्डेय
8. अपराधास्त्र– अपराधी एवं अपराधशास्त्र – जी.सी. हैलन
9. अपराधास्त्र– एवं दण्डशास्त्र – डॉ.संजीव महाजन

.....